आदर्श पाठ योजना
पाठ: सवैये – रसखान

दिनांक:
कक्षा: 9वीं विषय: हिन्दी कालांश:

प्रस्तावना

1- कृष्ण बचपन में क्या-क्या किया करते थे ? 2- कृष्ण के कौन-कौन से नाम बता सकते हैं ?

सवैये कविता का सारांश :

यहाँ दिए गए प्रथम सवैये में कवि कृष्ण के प्रति अपने भक्ति का उदहारण पेश करता है। उनका कहना है की ईश्वर उन्हें चाहे मनुष्य बनाये या पशु, पक्षी या फिर पत्थर उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता वो सिर्फ कृष्ण का साथ चाहते हैं। इस तरह हम रसखान के काव्यों में कृष्ण के प्रति अपार प्रेम तथा भक्ति भाव को देख सकते हैं। अपने दूसरे सवैये में रसखान ने कृष्ण के ब्रज प्रेम का वर्णन किया है की वे ब्रज के खातिर संसार के हर सुखो का त्याग कर सकते हैं। गोपियों के कृष्ण के प्रति अतुलनीय प्रेम को तीसरे सवैये में दर्शाया गया है, उन्हें कृष्ण के हर वस्तु से प्रेम है। वे सव्यं कृष्ण का रूप धारण कर लेना चाहती हैं। अपने अंतिम सवैये में रसखान कृष्ण के मुरली की मधुर ध्वनि तथा गोपियों की विवस्ता का वर्णन किया है की किस प्रकार गोपिया चाहकर भी कृष्ण को प्रेम किये बिना नहीं रह सकती।

लेखक परिचय

मूल नाम सैयद इब्राहिम। भगवान कृष्ण के अनन्य भक्त। भक्तिकाल की कृष्णाश्रयी शाखा के महत्त्वपूर्ण कवि। वृंदावन में देहावसान।

रचनाएँ

प्रेमवाटिका, सुजान-रसखान

अन्विति

मानुष हौं तो वही रसखानि बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जौ पसु हौं तो कहा बस मेरो चरौं नित नंद की धेनु मँझारन॥
पाहन हौं तो वही गिरि को जो कियो हरिछत्र पुरंदर धारन।
जौ खग हौं तो बसेरो करौं मिलि कालिंदी कूल कदंब की डारन।

भावार्थ :- प्रस्तुत पंक्तियों में कवि रसखान का श्री कृष्ण एवं उनके गांव गोकुल ब्रज के प्रति अपार प्रेम का वर्णन हुआ है। कवि के अनुसार ब्रज के कण कण में श्री कृष्ण बसे हुए हैं। इसीलिए वो चाहे जो भी जन्म में धरती पर आये उनकी बस एक ही शर्त है की वो ब्रज में जन्म लें। अगर वो मनुष्य के रूप में जन्म लें तो वो गोकुल के ग्वालों के बीच में जन्म लेना चाहते हैं। अगर वो पशु के रूप में जन्म लें तो वो गोकुल के गायो के संघ विचरणा चाहते हैं। अगर वो पत्थर भी बने तो उसी गोवर्धन पर्वत का पत्थर बनना चाहते हैं जिस गोवर्धन पर्वत को श्री कृष्ण ने इन्द्र के प्रकोप से गोकुल वासियों को बचाने के लिए अपने उँगलियों में उठाया था। और अगर वो पक्षी भी बने तो वो यमुना के तट पर कदम्ब के पेड़ो में रहने वाले पक्षियों के साथ रहना चाहते हैं। इस प्रकार कवि चाहे कोई भी रूप में जन्म ले वो रहना ब्रज की भूमि में ही चाहते हैं।

सामान्य उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को कृष्ण-भक्ति से परिचित करना ।
2. विद्यार्थियों में काव्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
3. विद्यार्थियों को कविता लिखने की प्रेरणा देना ।

विशिष्ट उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को रसखान के कृष्ण-प्रेम की जानकारी देना।
2. विद्यार्थियों को कृष्ण के प्रेमिल व्यक्तित्व के बारे में जानकारी देना।
3. विद्यार्थियों को पढ़ाई जाने वाली कविता की जानकारी देना

शैक्षिक प्रविधियाँ

1. वाचन विधि 2. व्याख्यान विधि 3. प्रश्नोतर विधि

सहायक सामग्री

1. रसखान के सवैये
2. रसखान, कृष्ण, गौएँ, यमुना-तट और गोपियों के चित्र
3. श्यामपट
4. चाक , डस्टर

कठिन शब्द और उनके अर्थ

बसौं = बसना
बस मेरो = मेरा वश न होना
हरिछत्र = कृष्ण का छत्र
पुरंदर = इंद्र
धेनु = गाय
खग = पक्षी
कालिंदी कूल = यमुना किनारा
डारन = डालियाँ
लकुटी = लाठी
अरु = और
कामरिया = कंबल
तिहूँ पुर = तीनों लोक

अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न

1. कवि और कविता का नाम लिखिए ?
2. रसखान का ब्रजभूमि के प्रति प्रेम किन रूपों में व्यक्त हुआ है ?
3. रसखान की आँखें ब्रज के वन-बाग़ और तड़ाग निहारने को व्याकुल क्यों हैं ?
4. आपके विचार से कवि पशु, पहाड़ और पक्षी के रूप में भी कृष्ण का सान्निध्य क्यों पाना चाहता है ?
5. गोपियां अपने आपको विवश क्यों पाती हैं ?
6. सखी ने गोपी से किस तरह का रूप धारण करने को कहा था ?
7. काव्यांश में किस छंद और भाषा का प्रयोग किया गया है ?

विषय वस्तु संबंधी प्रश्न

1. कृष्ण ने इंद्र के विरोध में किस चीज को छत्र के रूप में धारण किया था और क्यों ?
2. नंद की गाय चराने के लिए कवि कौन-सा सुख त्यागने को तैयार है ?
3. करील के कुञ्ज में कृष्ण क्यों जाते थे ?
4. कृष्ण के बांसुरी मंद सुर में बजाने और मुस्काने का क्या असर होता था ?
5. प्रेम के क्या लक्षण होते हैं ?

अतिरिक्त ज्ञान का संप्रेषण

1. ब्रजभूमि के जन-जीवन और समाज के बारे में बताना
2. गोवर्धन-धारण के विषय में बताना
3. आठ सिद्धियाँ और नौ निधियां क्या है ?

छात्रों की सहभागिता

1. लकुटी और कामरिया का कृष्ण से क्या संबंध है ?
2. यमुना किनारे कदंब के पेड़ों पर कृष्ण क्या करते थे ?
3. ' मुरलीधर' किसे कहा गया है?
4. काव्यांश की अंतिम पंक्ति में कौन का छंद है?
5. गोपी ब्रज के सारे लोगों को बुलाकर क्या बताना चाहती है ?

जीवन मूल्य

प्रेम सर्वोच्च मूल्य है | भक्ति से लेकर जीवन के प्रत्येक प्रसंग में इसका स्थान अपरिहार्य है | प्रेम के साथ त्याग की भावना जुडी होती है | अपने इष्ट या अराध्य के लिए प्रेमी सब कुछ त्यागने या सहने को तैयार हो जाता है |

मूल्यांकन

1. कृष्ण बचपन में क्या-क्या करते थे ?
2. नंद कौन थे ?
3. कृष्ण का स्वभाव कैसा था ?
4. गोपियाँ कृष्ण की बांसुरी अपने होठों पर क्यों नहीं रखना चाहती हैं ?

<u>गृहकार्य</u>

1. कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कृष्ण सामान्य नहीं, अपितु अलौकिक प्रेम के प्रतीक हैं ।
2. भारतीय समाज पर कृष्ण-भक्ति के प्रभावों का वर्णन कीजिए |

<u>क्रिया कलाप</u>

1. कविता से चार पंक्तियाँ याद करके कक्षा में सुनाना।
2. कविता से अनुप्रास के पाँच उदाहरन खोजिए ।
3. रसखान की अन्य रचनाओं का संग्रह कीजिए |